Socio-economic status of 26 families affected by communal violence: Kuppuswami Scale (2019)

ISSN - 2348-2397
UGC CARE LISTED JOURNAL
SPX
शोध सरिता
January-March, 2021
Vol. 8, Issue 29
Page Nos. 91-96
AN INTERNATIONAL BILINGUAL PEER REVIEWED REFEREED RESEARCH JOURNAL

सांप्रदायिक हिंसा से उत्पीड़ित परिवारों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति : कुप्पुस्वामी स्केल (2019)

ज्ञान प्रकाश पाण्डेय*
प्रो. मनीषा महापात्र**

शोध सारांश

मुजफ्फरनगर उत्तरप्रदेश के उत्तर–पश्चिम में है, जो उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से 615 कि.मी. जबकि देश की राजधानी दिल्ली से 116 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। मुजफ्फरनगर में कुल जनसंख्या का 57.5 प्रतिशत जनसंख्या हिन्दू एवं 41.3 प्रतिशत जनसंख्या मुस्लिम धर्म के अनुयायी हैं। यहाँ अन्य धर्म को मानने वाले लगभग नगण्य ही हैं। भारत विविधताओं का देश हैं जहां अनेक समुदाय के लोग निवास करते हैं, अनेक समुदाय होने के कारण उनका अलग–अलग सामाजिक–धार्मिक क्रियाकलाप होता है जिसके कारण एक–दूसरे समुदाय के बीच सामाजिक–धार्मिक मूल्यों के बीच टकराव देखने को मिलता है जो आगे चलकर हिंसा का रूप भी ले लेता है। सामाजिक–आर्थिक स्थिति किसी परिवार की उस दशा को प्रदर्शित करती है कि वह अपने परिवार के सदस्यों का लालन–पालन कैसे करेगा, सांप्रदायिक हिंसा के कारण परिवार कि सामाजिक–आर्थिक स्थिति भी प्रभावित करती है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में उद्देश्यपूर्ण निदर्शन का उपयोग किया गया है जिसमें उत्तरप्रदेश राज्य के जिला मुजफ्फरनगर के मुजफ्फरनगर एवं जानसठ तहसील के सांप्रदायिक हिंसा से उत्पीड़ित परिवारों का के द्वारा चयन किया गया है। शोध प्रारूप वर्णनात्मक प्रकार का है। शोध पत्र का उद्देश्य सांप्रदायिक हिंसा से उत्पीड़ित परिवारों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति का अध्ययन करना है जिसमें पाया गया कि सर्वाधिक 90.4 प्रतिशत परिवार का आकार वृहद है, 81.6 प्रतिशत संयुक्त परिवार के रूप में निवास कर रहें हैं। कुप्पुस्वामी के द्वारा शंशोधित (फरवरी, 2019) सामाजिक–आर्थिक स्थिति स्केल ज्ञात किया गया है जिसमे पाया गया कि सांप्रदायिक हिंसा से उत्पीड़ित परिवार का सामाजिक–आर्थिक स्थिति (SES) उच्च मध्यम वर्ग (Upper middle grade) है।

Keywords : सांप्रदायिक हिंसा, सामाजिक–आर्थिक स्थिति, कुप्पुस्वामी स्केल 2019

प्रस्तावना :

भारत एक ऐसा देश है जहां विभिन्न प्रकार की समुदाय–धर्म के लोग निवास करते हैं। सांप्रदायिकता किसी समुदाय विशेष के द्वारा दूसरे समुदाय के प्रति भाषाई, क्षेत्रीय, प्रजातीय एवं धार्मिक आधार पर द्वेषपूर्ण भावना को प्रकट करती है। भारत में सांप्रदायिकता की पहचान मुख्यतः दो धर्मों के मध्य होने वाले संघर्षों से जुड़ी हुई है। यह वैश्विक समस्या होने के बावजूद भारत व दक्षिण एशिया में इसकी स्थिति काफी चिंताजनक है। सांप्रदायिकता की भावना को भड़काने में सामाजिक संकीर्णता, धार्मिक कट्टरता के साथ–साथ राजनीतिक स्वार्थ की प्रमुख भूमिका होती है। प्रस्तुत शोध पत्र उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में वर्ष 2013 में हुये सांप्रदायिक हिंसा पर केन्द्रित है जिसमे बड़े स्तर पर धन के साथ–साथ जन हानि भी हुई थी। सामाजिक–आर्थिक स्थिति (एसईएस) किसी व्यक्ति अथवा परिवार के लिए स्वास्थ्य के सबसे महत्वपूर्ण निर्धारकों में से एक है। वर्तमान में सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में इसका व्यापक रूप से अध्ययन किया जा रहा है। किसी व्यक्ति या परिवार का आय, शिक्षा, कार्य अनुभव और व्यवसाय के आधार पर दूसरों के संबंध में आर्थिक और सामाजिक स्थिति के लिए SES उस व्यक्ति के आर्थिक और समाजशास्त्रीय संयुक्त कुल माप का एक संकेतक के रूप में माना जाता है। स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं, सामर्थ्य के हिसाब से खर्च करने, विभिन्न प्रकार की योजनाओं का लाभ लेने, लाभार्थियों द्वारा स्वीकृति और लोगों द्वारा सेवाओं के समग्र उपयोग की तलाश में एसईएस की प्रमुख भूमिका है (बेरवा एवं अन्य 2012)।

सामाजिक–आर्थिक के लिए कुप्पुस्वामी पैमाना व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला पैमाना है जो कुप्पुस्वामी द्वारा वर्ष 1976 में दिया गया था (सलीम, 2019) । मूल पैमाना तीन घटकों पर आधारित है अर्थात परिवार के मुखिया की शिक्षा, परिवार के मुखिया का व्यवसाय और सभी स्रोतों से परिवार की

*शोधार्थी – शा. दूधाधारी बजरंग (स्वशासी) महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
**प्राध्यापक – शा. दूधाधारी बजरंग (स्वशासी) महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

कुल मासिक आय । इस स्केल के लिए 3 अलग–अलग स्कोर दिया जाता है, स्कोर के माध्य मान के आधार पर देखा जाता है कि यह मान कौन से स्केल के अंतर्गत आ रही है उसके आधार पर परिवार कि सामाजिक–आर्थिक स्थिति का समूह निर्धारण किया जाता है।

शोध का उद्देश्य :

1. सांप्रदायिक हिंसा से उत्पीड़ित परिवारों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति का अध्ययन करना।

शोध सामग्री एवं पद्धति :

शोध अभिकल्प–प्रस्तुत शोध पत्र में वर्णनात्मक शोध अभिकल्प का उपयोग किया गया है।

निदर्शन पद्धति एवं उत्तरदाताओं का चयन– प्रस्तुत शोध अध्ययन में उत्तरप्रदेश राज्य के जिला मुजफ्फरनगर के मुजफ्फरनगर एवं जानसठ तहसील के सांप्रदायिक हिंसा से उत्पीड़ित परिवारों का उद्देश्यपूर्ण निदर्शन के द्वारा चयन किया गया है। मुजफ्फरनगर एवं जानसठ तहसील सांप्रदायिक हिंसा से सर्वाधिक प्रभावित है इसलिए यह शोध क्षेत्र के रूप में चयन किया गया है।

तालिका क्रमांक–1.1
उत्तरदाताओं के मूल निवास स्थान का ग्रामवार वितरण

क्रमांक	उत्तरदाताओं का मूल निवास स्थान	आवृति	प्रतिशत
1.	कवाल	95	39.3
2.	अमलासपुर	147	60.7
	योग	242	100.0

प्राथमिक तथ्य संग्रहण के उपकरण एवं तकनीक– प्रस्तुत शोध पत्र में प्राथमिक तथ्य संग्रहण के लिए साक्षात्कार अनुसूची, केन्द्रीय समूह वार्ता, अर्धसहभागी अवलोकन एवं छायाचित्र का उपयोग किया गया है।

स्केल–सांप्रदायिक हिंसा से उत्पीड़ित परिवारों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति ज्ञात करने के लिए कुप्पुस्वामी स्केल–2021 का उपयोग किया गया है।

परिणाम एवं विश्लेषण

(अ) उत्तरदाता एवं परिवार कि सामान्य जानकारी

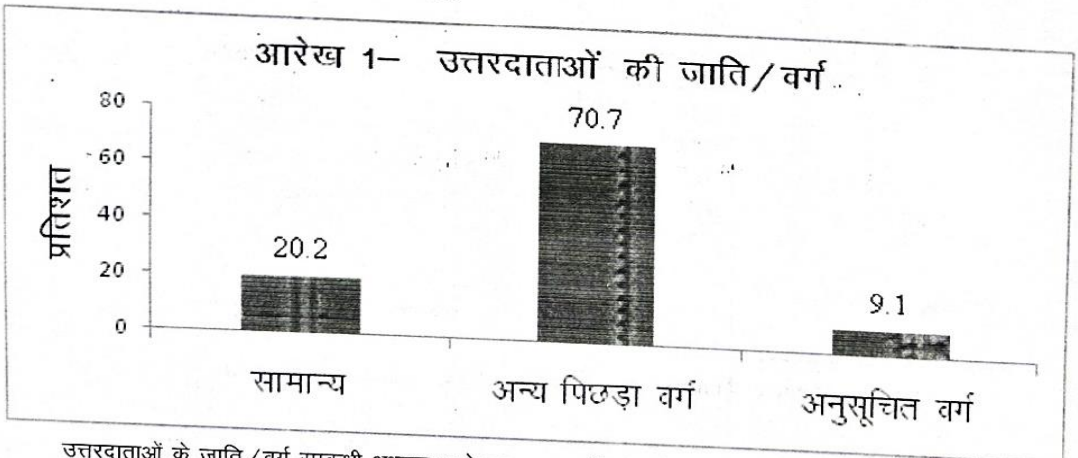

उत्तरदाताओं के जाति/वर्ग सम्बन्धी अध्ययन से ज्ञात हुआ कि अध्ययनगत समूह के सर्वाधिक 70.7 प्रतिशत उत्तरदाता अन्य पिछड़ा वर्ग के हैं, 20.2 प्रतिशत सामान्य वर्ग के हैं जबकि 9.1 प्रतिशत उत्तरदाता अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखते हैं। अध्ययनगत समूह में सभी सामाजिक वर्गों के होने के बावजूद अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व अधिक है।

Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

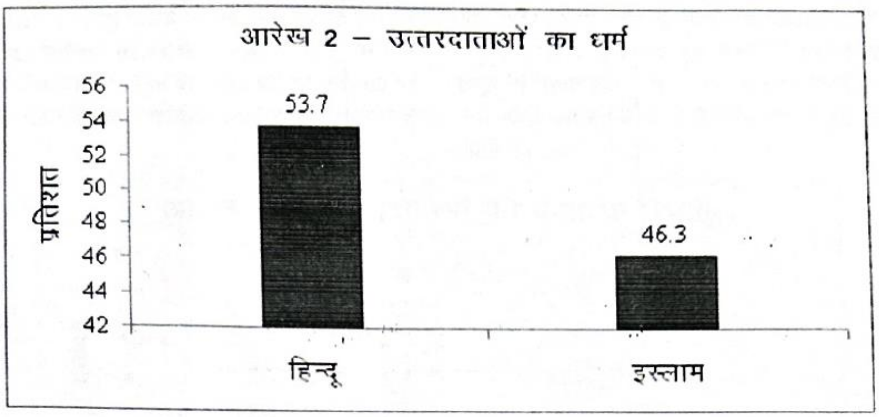

उत्तरदाताओं के धर्म सम्बन्धी अध्ययन से ज्ञात होता है कि अध्ययनगत समूह में आधे से अधिक (53.7 प्रतिशत) उत्तरदाता हिन्दू धर्म के अनुयायी हैं जबकि 46.3 प्रतिशत इस्लाम को मान्ते हैं। उपरोक्त तथ्य से कहा जा सकता है कि सांप्रदायिकता के लिए हिन्दू एवं इस्लाम धर्म के बीच अपेक्षाकृत अधिक संघर्ष देखने को मिलता है।

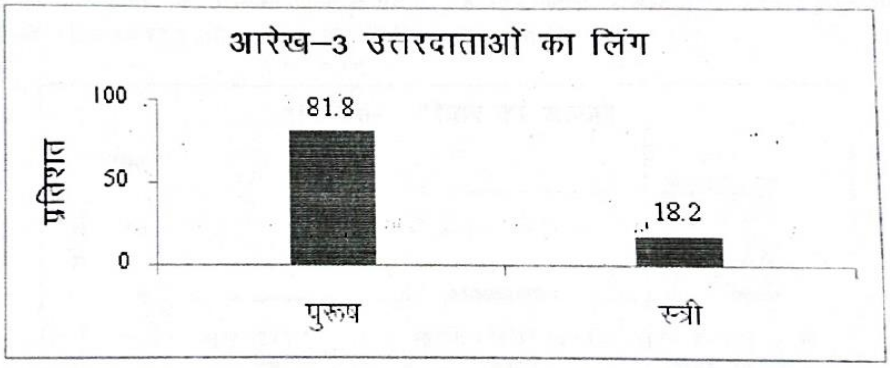

आरेख क्रमांक 3 में उत्तरदाताओं का लैंगिक स्थिति संबंधी तथ्य को प्रदर्शित किया गया है जिससे ज्ञात होता है कि सर्वाधिक 81.8 प्रतिशत उत्तरदाता पुरुष एवं 18.2 प्रतिशत उतरदाता स्त्री है।

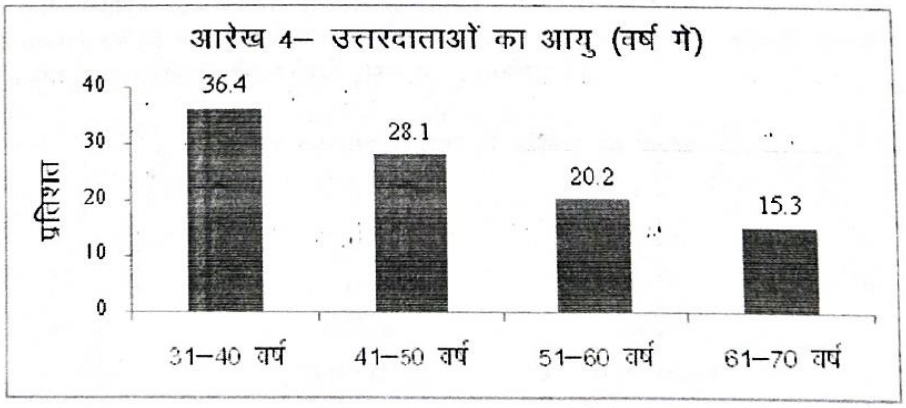

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act
E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

उत्तरदाताओं की आयु संबंधी आरेख क्रमांक 4 से स्पष्ट है कि अधिकतम 36.4 प्रतिशत उत्तरदाता 31–40 वर्ष आयु समूह के है, 28.1 प्रतिशत उत्तरदाता 41–50 वर्ष, 20.2 प्रतिशत 51–60 वर्ष के है तथा शेष 15.3 प्रतिशत उत्तरदाता 61–70 वर्ष आयुवर्ग के पाए गए हैं। आयु बढ़ने के साथ साथ उत्तरदाताओं की आवृति में कमी आई है जिससे कहा जा सकता है कि 31 से 40 वर्ष आयु समूह में सांप्रदायिक हिंसा के कारण उत्पीड़ित हुये है और जैसे–जैसे उम्र बढ़ती जाती है वैसे–वैसे उनकी संख्या कम होती जाती है।

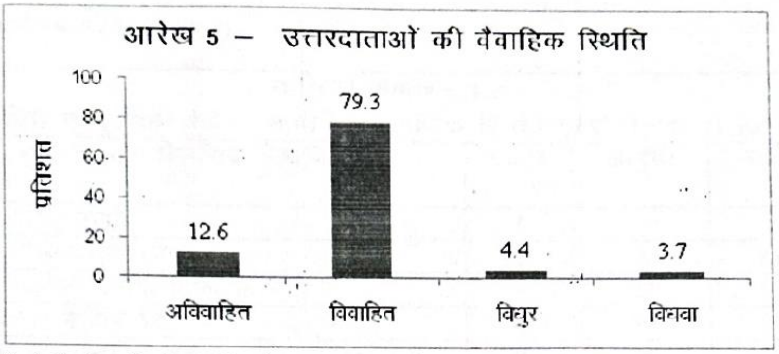

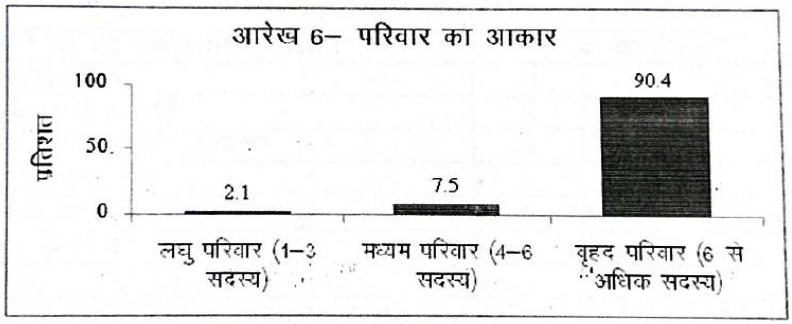

उत्तरदाताओं की वैवाहिक स्थिति संबंधी आरेख क्रमांक 5 से ज्ञात होता है कि अधिकतम 79.3 प्रतिशत उत्तरदाता विवाहित है, 12.6 प्रतिशत अविवाहित, 4.4 प्रतिशत विधुर तथा 3.7 प्रतिशत उतरदाता विधवा हैं।

अध्ययनगत समूह के परिवार के आकार सम्बन्धी अध्ययन से स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक 90.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं का परिवार वृहद है अर्थात उनके घर में 6 से अधिक सदस्य निवास करते हैं, 7.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं का परिवार मध्यम आकार का अर्थात उनके घर में 4–6 सदस्य निवास करते हैं जबकि केवल 2.1 प्रतिशत उत्तरदाताओं ही ऐसे हैं जिनका लघु परिवार है जिनमे 1–3 सदस्य निवास करते हैं जो एकल परिवार से भी सम्बन्धित हैं।

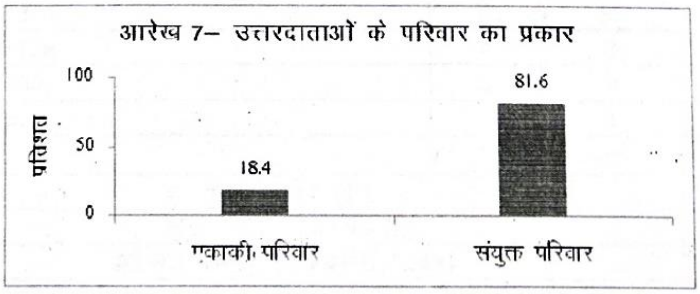

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

अध्ययनगत समूह के परिवार के प्रकार सम्बन्धी अध्ययन से ज्ञात हुआ कि सर्वाधिक 81.6 प्रतिशत उत्तरदाता संयुक्त परिवार में निवास करते हैं जबकि शेष 18.4 प्रतिशत उत्तरदाता एकल परिवार के सदस्य हैं।

(डोंडापती एवं अन्य, 2016) ने अपने अध्ययन मे पाया की 92 प्रतिशत परिवार एकाकी परिवारं है, वर्तमान अध्ययन में केवल 18.4 प्रतिशत परिवार ही एकाकी परिवार मे निवास करते हैं जबकि सर्वाधिक उत्तरदाता संयुक्त परिवार में निवास करते हैं जो कि अन्य अध्ययन से विपरीत है।

(ब) कुप्पुस्वामी स्केलः (वानी, 2019)

तालिका क्रमांक– 1.2
संशोधित कुप्पुस्वामी स्केल, सामाजिक–आर्थिक स्थिति (फरवरी–2019) (n=242)

(अ) मुखिया की शैक्षणिक स्थिति	स्कोर	आवृति	स्कोर
व्यावसायिक उपाधि	7	–	–.
स्नातकोत्तर अथवा स्नातक	6	131	786
हायर सेकंडरी अथवा डिप्लोमा	5	32	160
हाई स्कूल सर्टिफिकेट	4	29	116
मिडिल स्कूल सर्टिफिकेट	3	26	78
प्राइमरी स्कूल सर्टिफिकेट	2	24	48
अशिक्षित	1	–	–.
कुल स्कोर (अ)			1188
(ब) मुखिया की व्यावसायिक स्थिति	**स्कोर**	**आवृति**	**स्कोर**
व्यावसायिक कार्य	10	5	50.
अर्ध–व्यावसायिक कार्य	6	7	42
लिपिक, दुकान मालिक, किसान	5	138	690
कुशल कामगार	4	35	140
अर्धकुशल कामगार	3	57	171
अकुशल कामगार	2	–	–.
बेरोजगार	1	–	–.
कुल स्कोर (ब)			1093
(स) परिवार की मासिक आय रुपये में (CPI&IW जनवरी 2019 के अनुसार)	**स्कोर**	**आवृति**	**स्कोर**
⩾52,734	12	154	1848
26,355–52,733	10	47	470
19,759–26,354	6	26	156
13,161–19,758	4	8	32
7,887–13,160	3	6	18
2,641–7,886	2	1	2
⩽2,640	1	–	–.
कुल स्कोर (स)			2526
कुल स्कोर (अ+ब+स)			**4807**
औसत स्कोर (अ+ब+स/242)			**19.86**

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

तालिका क्रमांक– 1.3
संशोधित कुप्पुस्वामी स्केल, सामाजिक–आर्थिक स्थिति (वर्गीकरण, फरवरी–2019)

वर्ग	सामाजिक–आर्थिक स्थिति	कुल स्कोर
I	उच्च वर्ग	26–29
II	उच्च मध्यम वर्ग	16–25
III	मध्यम वर्ग	11–15
IV	निम्न मध्यम वर्ग	05–10
V	निम्न वर्ग	01–04

उपरोक्त तालिका क्रमांक 1.2 एवं 1.3 से ज्ञात होता है कि संशोधित कुप्पुस्वामी स्केल, सामाजिक–आर्थिक स्थिति (फरवरी, 2019) के अनुसार अध्ययनगत समूह की औसत स्कोर 19.86 है जो वर्ग II के अंतर्गत है अर्थात कहा जा सकता है कि सांप्रदायिक हिंसा से उत्पीड़ित परिवारों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति (SES) उच्च मध्यम वर्ग (Upper middle grade) है।

निष्कर्ष:

मानव समुदाय के सभी परिवारों के लिए सामाजिक–आर्थिक स्थिति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, बच्चों का लालन–पालन एवं शिक्षा कैसे होगा सामाजिक–आर्थिक स्थिति के आधार पर ही निर्भर करता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में पाया गया कि मुजफ्फरनगर जिला के सांप्रदायिक हिंसा से उत्पीड़ित परिवार के सर्वाधिक 90.4 प्रतिशत परिवार का आकार वृहद है, 81.6 प्रतिशत संयुक्त परिवार के रूप में निवास कर रहें हैं। सांप्रदायिक हिंसा से उत्पीड़ित परिवार के मुखिया के शैक्षणिक स्थिति, व्यवसाय एवं परिवार कि कुल मासिक आय के आधार पर कुप्पुस्वामी के द्वारा शंशोधित (फरवरी, 2019) सामाजिक–आर्थिक स्थिति स्केल ज्ञात किया गया है जिसमे पाया गया कि अध्ययनगत परिवार समूह ग्रेड–II, उच्च मध्यम वर्ग (Upper middle grade) है।

सन्दर्भ :–

- Bairwa, M., Rajpur, M. & Sachdeva, S. (2012). Modified kuppuswami's socioeconomic scale: social researcher should include update income criteria, 2012. *Indian Journal of Community Medicine*, 38 (3); 185-6.
- Dondapati, S.K.S. & Karimaddela, K. (2016). Socio-demographic and health profile of schedule tribes of Velugodu, Andhra Pradesh, India. *International Journal of Community Medicine Public Health*,3;2615-20.
- Wani, R.T. (2019). Socioeconomic status scales-modified Kuppuswamy and Udai Pareekh's scale updated for 2019. *Journal of Family Medicine and Primary Care*;8: 1846-9.
- Saleem, S.M. (2019). Modified Kuppuswamy socioeconomic scale updated for the year 2019. *Indian Journal of Forensic Community Medicine*; 6:1-3.
- इंजीनियर, असगर अली. (2000). साम्प्रदायिकता और साम्प्रदायिक हिंसा. इकॉनामिक एण्ड पॉलिटिकल वीकली, समीक्षा ट्रस्ट, मुम्बई.
- डॉ. जैन, पुखराज, – फाड़िया, बी.एन. (2005). भारतीय शासन एवं राजनीति. आगरा : साहित्य भवन प्रकाशन.
- रावत, हरिकृष्ण. (2008). उच्चत्तर समाजशास्त्रीय विश्वकोष. जयपुर : रावत प्रकाशन.

❐❐❐

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)